ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन को 1.15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले

17 कंपनियों ने दिया प्रस्ताव
20 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

राज्य, जागरण● लखनऊ : औद्योगिक उत्सर्जन को कम और रसायन-उर्वरक व रिफाइनरी क्षेत्रों में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों में जुटी उत्तर प्रदेश सरकार को प्रारंभिक चरण में ही बड़ी सफलता मिलती दिखाई दे रही है। ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए यूपी को अब तक 17 कंपनियों से 1.15 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से 20 हजार लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। बता दें कि उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन नीति 2024 के तहत राज्य सरकार ग्रीन हाइड्रोजन-अमोनिया उत्पादन को बढ़ावा दे रही है।

उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) के निदेशक अनुपम शुक्ला ने बताया कि ग्रीन हाइड्रोजन स्वच्छ व स्थायी विकल्प के रूप महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उर्वरकों, रसायनों, रिफाइनरियों, भारी वाहनों, ऊर्जा भंडारण और लौह एवं इस्पात क्षेत्रों में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग की बड़ी संभावना है। उन्होंने बताया कि यूपी ने वर्ष 2029 तक ग्रीन हाइड्रोजन-ग्रीन अमोनिया की प्रति वर्ष एक मिलियन टन उत्पादन क्षमता सृजित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अब तक 17 एजेंसियों से लगभग 1.15 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें यूनाइटेड किंगडम की ट्राफलगर स्क्वायर कैपिटल ने लखनऊ के समीप 10 हजार टन प्रति वर्ष ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। इसके अलावा वस्त्र उत्पादन से जुड़ी अग्रणी कंपनी वेलस्पन ने बुलंदशहर में ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया संयंत्र स्थापित करने के लिए 40 हजार करोड़ रुपये के निवेश की योजना बना रहा है। हाइजेनको ग्रीन एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड ने प्रयागराज में 16,000 करोड़ रुपये के निवेश से 0.2 मिलियन टन की ग्रीन हाइड्रोजन इकाई स्थापित करने में रुचि दिखाई है।